इकाई - III

8. बंदर-बाँट

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. बंदर क्या कर रहे हैं?
3. लड़की घंटा लेकर क्यों भाग रही होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. पाठ पढ़िए। नये शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

स्थान : खुली जगह या कोई बड़ा कमरा।

पात्र : एक बंदर और दो बिल्लियाँ। सात-आठ बरस का लड़का बंदर और पाँच-छह बरस की लड़कियाँ बिल्ली बन सकती हैं।

बंदर के लिए पोशाक : पीला चूड़ीदार पाजामा, कुर्ता और दुपट्टा, जो कमर में पूँछ-सी निकालकर बाँधा जा सकता है। मुँह पर लगाने के लिए बंदर का चेहरा जिसमें आँखों और मुँह की जगह छेद हों।

बिल्लियों के लिए पोशाक : काली सफ़ेद सलवारें, कमीज़ें, दुपट्टे जो कमर में पूँछ-सी निकालकर बाँधे जा सकते हैं। मुँह पर लगाने के लिए काली-सफ़ेद बिल्लियों के चेहरे जिनमें आँखों और मुँह की जगह बड़े छेद हों जिनसे देखा-बोला जा सके।

सामान : एक मेज़, एक बड़ा मेज़पोश या बड़ी चादर, डबलरोटी का एक टुकड़ा, एक छोटी तराज़ू।

(पहला दृश्य — कोई कमरा)

(कमरे के बीच में एक मेज़ है जिस पर मेज़पोश पड़ा है जो कि आगे से ढका है, मेज़ पर एक रोटी का टुकड़ा है। मेज़ के नीचे एक तराज़ू रखा है, पर दिखाई नहीं देता)

(म्याऊँ-म्याऊँ की आवाज़ होती है और दाहिनी तरफ़ से काली बिल्ली और बाईं तरफ़ से सफ़ेद बिल्ली प्रवेश करती है।)

काली बिल्ली : बिल्ली बहन, नमस्ते!

सफ़ेद बिल्ली : नमस्ते बहन, नमस्ते!

काली बिल्ली : अच्छी तो हो?

सफ़ेद बिल्ली : अच्छी क्या हूँ, भूखी हूँ!

SCERT TELANGANA

काली बिल्ली : मैं भी भूखी हूँ।

सफ़ेद बिल्ली : खाने को कुछ ढूँढ़ रही हूँ।

काली बिल्ली : उस खोज में मैं भी निकली हूँ।

सफ़ेद बिल्ली : मुझे महक रोटी की आती।

काली बिल्ली : हाँ, मेरी भी नाक बताती, पास कहीं है।

सफ़ेद बिल्ली : रखी मेज़ पर है वो रोटी।
लपकूँ? कोई आ न जाए तो...

काली बिल्ली : तू डर, मैं तो लेने चली...

(काली बिल्ली लपकती है और रोटी लेकर भागने लगती है)

सफ़ेद बिल्ली : ठहर, कहाँ भागी जाती है रोटी लेकर, रोटी मेरी।

काली बिल्ली : रोटी तेरी! कैसे तेरी? रोटी मेरी।

सफ़ेद बिल्ली : मैं न दिखाती तो तू जाती?

काली बिल्ली : अच्छा, क्या मैं खुद न देखती?
क्या मेरी दो आँखें नहीं है?
डरती थी उस तक जाने में!
जा डरपोक कहीं की, जा भग, रोटी

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21
SCERT TELANGANA

मेरी।

सफ़ेद बिल्ली : रोटी, कहे दे रही, मेरी।
मैं ले जाने तुझे न दूँगी।

काली बिल्ली : देख, राह से मेरी हट जा।
ले जाऊँगी, तुझे न दूँगी।

सफ़ेद बिल्ली : देखूँ, कैसे ले जाती है!
जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर!

काली बिल्ली : पहले दौड़े, दौड़ के ले ले पहले उसका हक रोटी पर। रोटी पर पहला हक मेरा।

सफ़ेद बिल्ली : मैं कहती हूँ, रोटी मेरी।

काली बिल्ली : मैं कहती हूँ, रोटी मेरी।

SCERT TELANGANA

(दोनों झगड़ती हैं, 'रोटी मेरी', 'रोटी मेरी' कहकर एक-दूसरे पर गुर्राती हैं)

(बंदर का प्रवेश)

बंदर : क्यों तुम दोनों झगड़ रही हो? तुम कहती हो रोटी मेरी। (*सफ़ेद बिल्ली से*) तुम कहती हो रोटी मेरी। (*काली बिल्ली से*) रोटी किसकी? मैं इसका फ़ैसला करूँगा। चलो कचहरी, मेरे पीछे-पीछे आओ।

(बंदर दोनों से छीनकर रोटी अपने हाथ में लेकर चलता है, दोनों बिल्लियाँ पीछे-पीछे जाती हैं)

(दूसरा दृश्य — बंदर की कचहरी)

(बंदर मेज़ पर बैठा है। रोटी का टुकड़ा सामने रखा है। दोनों बिल्लियाँ मेज़ के सामने इधर-उधर खड़ी हैं।)

बंदर (*सफ़ेद बिल्ली से*) : बोलो, तुमको क्या कहना है?

सफ़ेद बिल्ली : श्रीमान, पहले मैंने ही रोटी देखी थी, इससे रोटी पर पूरा हक मेरा बनता है।

बंदर (*काली बिल्ली से*) : बोलो, तुमको क्या कहना है?

काली बिल्ली : श्रीमान, पहले मैं झपटी थी रोटी लेने, इससे रोटी पर मेरा हक पूरा बनता है।

बंदर (*सफ़ेद बिल्ली से*) : एक आँख से देखी थी, या दो आँखों से?

सफ़ेद बिल्ली : दो आँखों से, दोनों आँखों से।

बंदर (*काली बिल्ली से*) : एक टाँग से झपटी थी या दोनों टाँगों से?

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21
SCERT TELANGANA

काली बिल्ली : दो टाँगों से, दोनों टाँगों से।

बंदर : तुम दोनों का था गवाह भी?

दोनों बिल्लियाँ : कहीं न कोई।
कोई न कहीं ।

बंदर : बात बराबर। बात बराबर। मेरा फ़ैसला है कि रोटी तोड़-तोड़कर तुम्हें बराबर दे दी जाए। मेरे पास धरम-काँटा है।

(बंदर मेज़ के नीचे से तराज़ू निकालकर लाता है। दो हिस्सों में तोड़कर दोनों पलड़ों पर रखता है और उठाता है। एक पलड़ा नीचे रहता है, दूसरा ऊपर)

बंदर : यह टुकड़ा कुछ भारी निकला। इसमें

SCERT TELANGANA

से थोड़ा खाकर हल्का कर दूँ।

(फिर तराजू उठाता है। अब पहला पलड़ा ऊपर है और दूसरा नीचे)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। अब इसको थोड़ा खाकर हल्का कर दूँ।

(फिर तराजू उठाता है। अब पहला पलड़ा नीचे हो गया और दूसरा ऊपर)

बंदर : अब यह टुकड़ा भारी निकला। टुकड़े भी कितने खोटे हैं, एक-दूसरे को छोटा दिखलाने में ही लगे हुए हैं। मुँह थक गया बराबर करते-करते और तराजू उठा-उठाकर हाथ थक गया।

(बिल्लियों को बंदर की चालाकी का पता चल गया। हाथ मलती हुई बड़ी

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

उदासी से एक-दूसरे को देखते हुए)

सफ़ेद बिल्ली : आप थक गए, अब न उठाएँ और तराजू।

काली बिल्ली : बची-कुची जो उसको दे दें, हम आपस में बाँट खाएँगी।

बंदर : नहीं, नहीं, तुम फिर झगड़ोगी। मैं झगड़े की जड़ को ही काटे देता हूँ। बची-कुची भी खा लेता हूँ।

(इतना कहकर बची-कुची रोटी भी बंदर खा जाता है और तराजू लेकर भाग जाता है)

दोनों बिल्लियाँ : आपस में झगड़ा कर बैठीं, बुद्धि अपनी खोटी।
अब पछताने से क्या होता, बंदर हड़पा रोटी।

हरिवंशराय बच्चन

SCERT TELANGANA

सुनिए–बोलिए

1. कुछ पालतू जानवरों के नाम बताइए।
2. आप किस पालतू जानवर को पालना पसंद करेंगे और क्यों?

पढ़िए

1. दोनों बिल्लियाँ एक दूसरे से किस बात पर लड़ रही थीं?
2. बिल्लियाँ बंदर के साथ कहाँ जाती हैं और क्यों?

लिखिए

- कहानी का शीर्षक बंदर-बाँट क्यों है?
- आप नाटक को क्या नाम देना चाहेंगे?
- जो शीर्षक आपने दिया, उसका कारण बताइए।

शब्द भंडार

दोनों बिल्लियाँ एक-दूसरे को **नमस्ते** कहती हैं।

- आप इन लोगों से मिलने पर क्या कहती हैं?
  - ✧ आपकी सहेली/दोस्त
  - ✧ आपके शिक्षक
  - ✧ आपकी दादी/नानी
  - ✧ आपके बड़े भाई/बहन
- अब पता लगाइए आपके साथी कक्षा में कितने अलग-अलग तरीकों से नमस्ते कहते हैं?

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- अगर बंदर बीच में नहीं आता तो आपकी राय में रोटी किस बिल्ली को मिलनी चाहिए थी? अपने शब्दों में छोटी कहानी लिखिए।

प्रशंसा

- मिल बाँट कर खाने की आदत के बारे में लिखिए।

भाषा की बात

मुझे महक रोटी की आती।
इस वाक्य को इस तरह भी लिख सकते हैं-
मुझे रोटी की महक आती।
आप भी इसी तरह नीचे दिए वाक्यों के शब्दों को आगे-पीछे करके लिखो-

- उसी खोज में मैं भी निकली।
  मैं भी ....
- रखी मेज़ पर है वो रोटी।
  वो रोटी ....
- डरती थी उस तक जाने में।
  ....
- मैं ले जाने तुझे न दूँगी।
  ....
- जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर।
  ....

SCERT TELANGANA

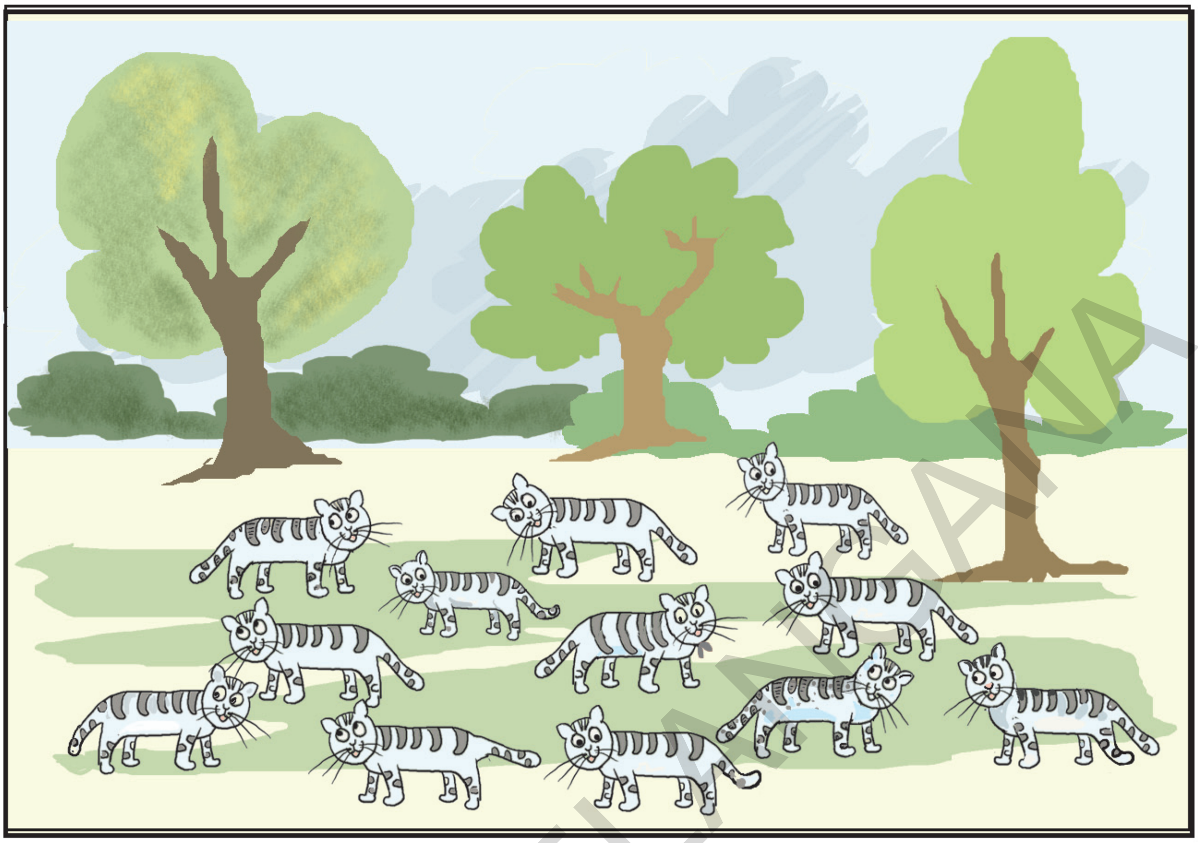

कट्टो बिल्ली बगीचे में अपने भाई–बहनों के साथ खेल रही थी। इतने में बंदर ने उसकी तस्वीर खींच ली। तस्वीर देखकर **बताइए** इनमें से कट्टो बिल्ली कौन–सी है?

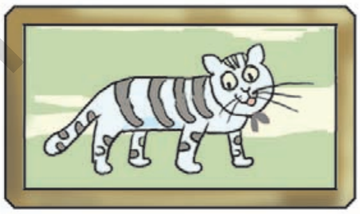

कट्टो बिल्ली की तस्वीर

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर बंदर बाँट पर छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सर्दी आई

पढ़िए - आनंद लीजिए

सर्दी आई, सर्दी आई
ठंड की पहने वर्दी आई।

सबने लादे ढेर से कपड़े
चाहे दुबले, चाहे तगड़े

नाक सभी की लाल हो गई
सुकड़ी सबकी चाल हो गई।

ठिठुर रहे हैं, काँप रहे हैं
दौड़ रहे हैं, हाँफ रहे हैं।

धूप में दौड़ें तो भी सर्दी
छाँओं में बैठें तो भी सर्दी

बिस्तर के अंदर भी सर्दी
बिस्तर के बाहर भी सर्दी

बाहर सर्दी, घरमें सर्दी
पैर में सर्दी, सर मे सर्दी।

इतनी सर्दी किसने कर दी
अंडे की जम जाए ज़र्दी।

सारे बदन में ठिठुरन भर दी
जाड़ा है मौसम बेदर्दी।

सफ़दर हाश्मी

SCERT TELANGANA

मुखौटे

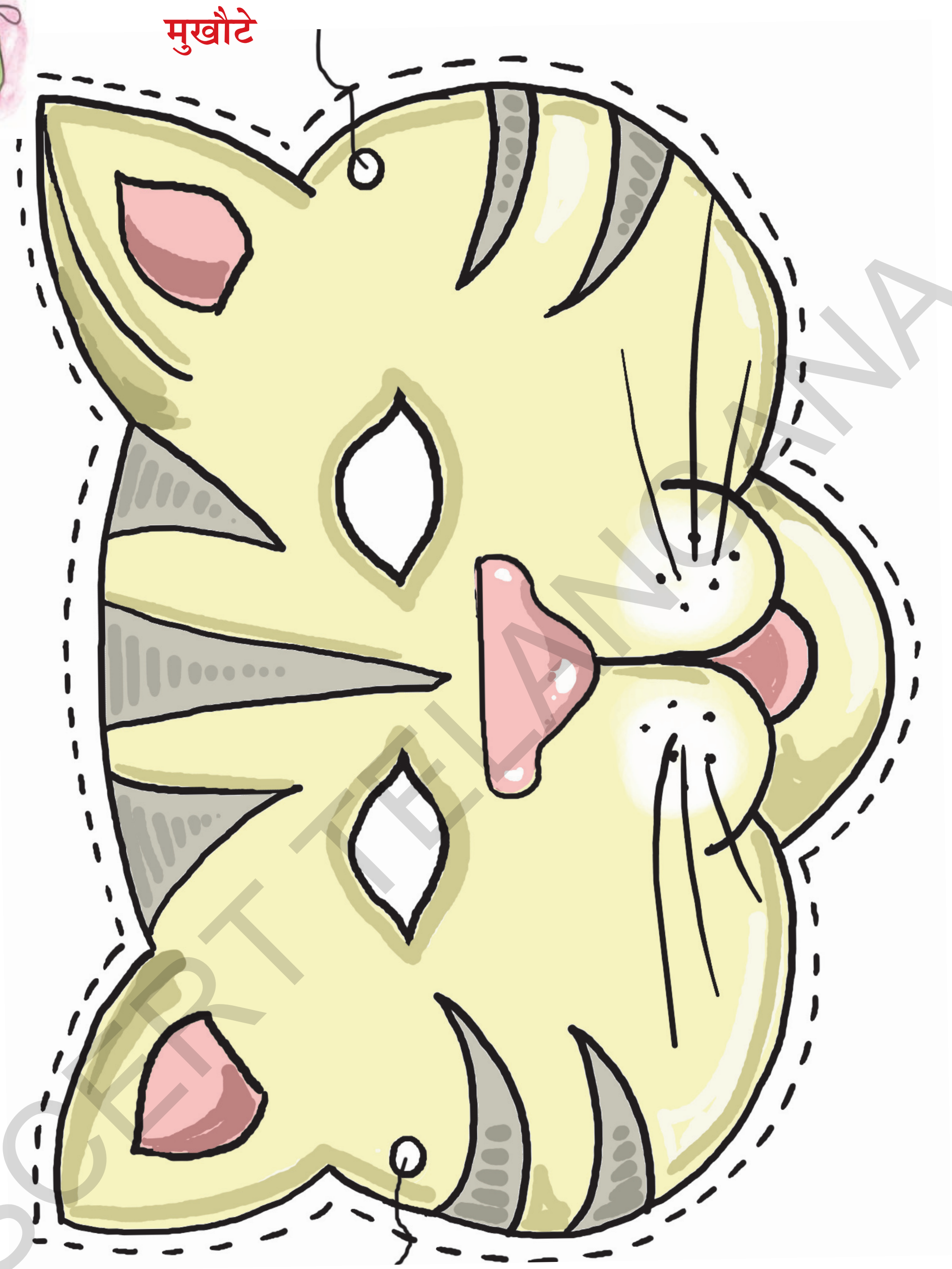

बच्चों से ऐसा ही मुखौटा बनाने के लिए कहें। इसी प्रकार से अन्य जानवरों के मुखौटे बनाए जा सकते हैं। इन मुखौटों को पहनाकर उनसे अभिनय करवाएँ।

SCERT TELANGANA

अक्ल बड़ी या भैंस

SCERT TELANGANA

आफ़ंती पहलवान को शहर की चारदीवारी के पास ले गया। और बोला...

ज़रा इस रुमाल को दीवार के पार फेंककर दिखाओ।

यह भी कोई बड़ी बात है!

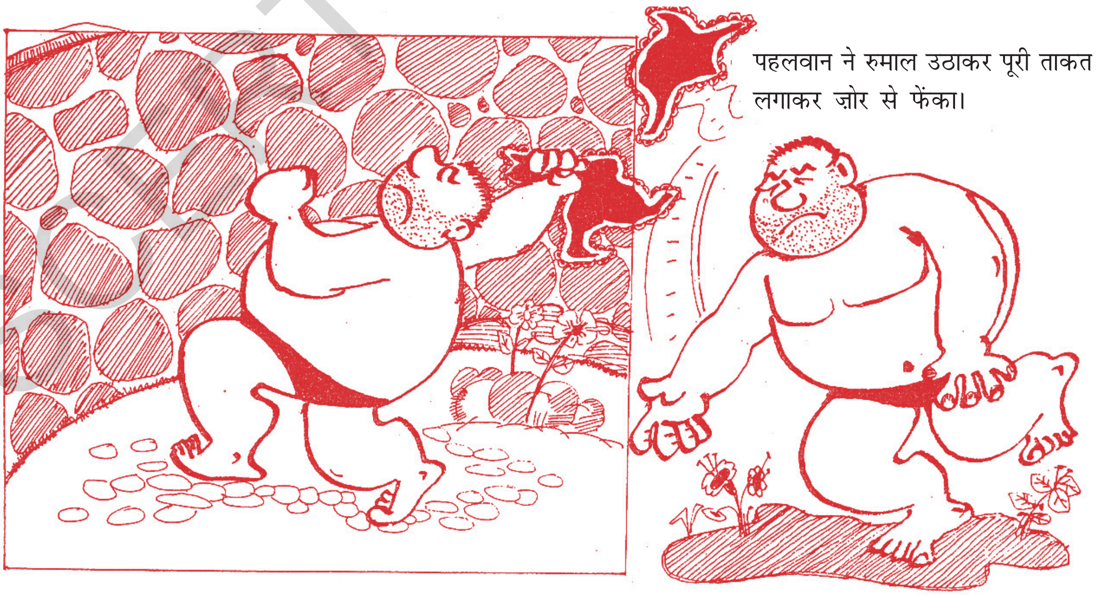
पहलवान ने रुमाल उठाकर पूरी ताकत लगाकर ज़ोर से फेंका।

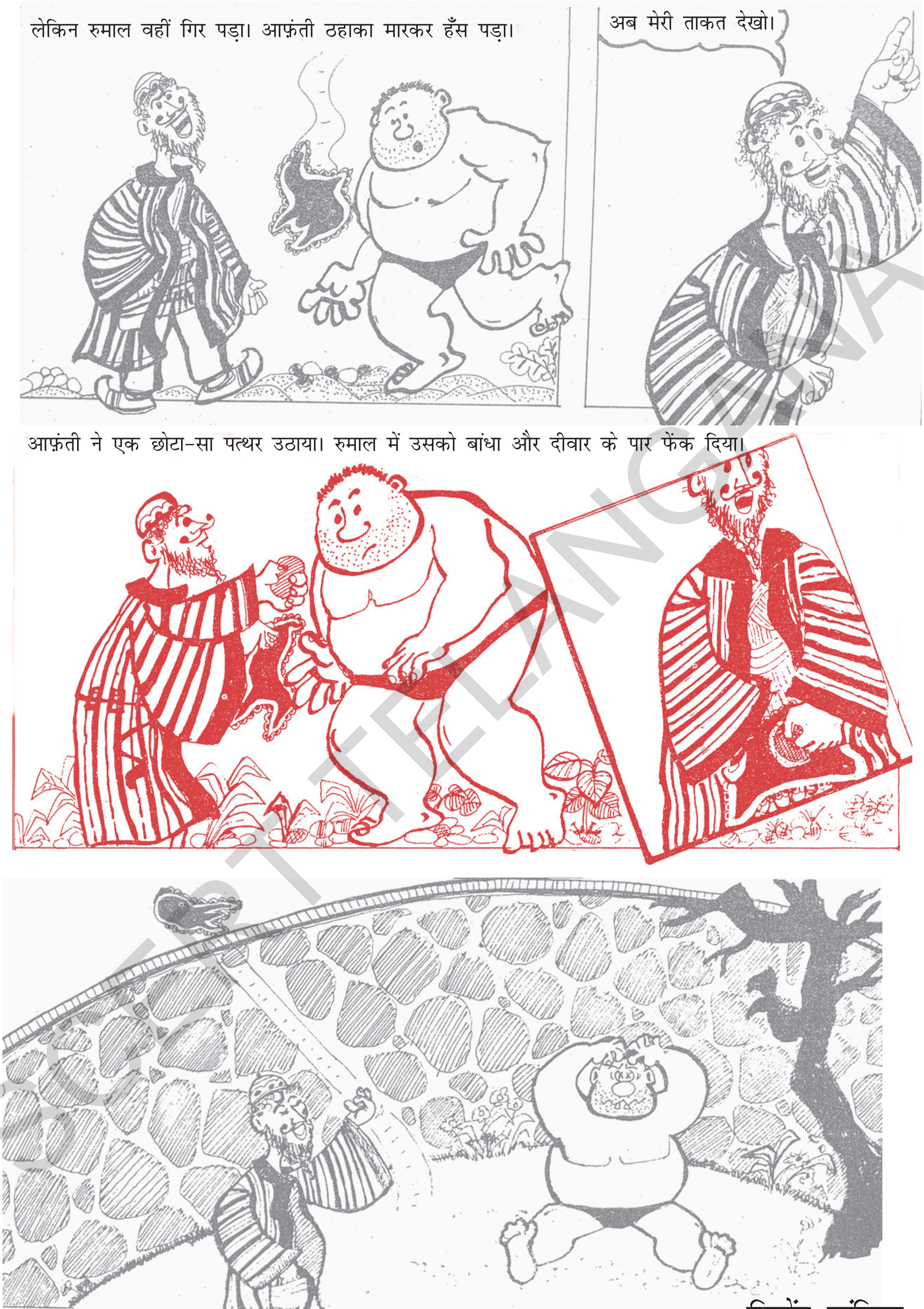

शिवेंद्र पांडिया

SCERT TELANGANA